से गतिशील है, किन्तु दो देशों के बीच उत्पत्ति के साधनों में गतिशीलता का अभाव है।

(5) प्रत्येक देश में उत्पादन उत्पत्ति समता नियम के अन्तर्गत होता है।

(6) दोनों देशों में उत्पत्ति के साधन परिमाणात्मक रूप से भिन्न है किंतु गुणात्मक रूप से दोनों में समानता है।

(7) दोनों देशों में उपभोक्ताओं का अधिमान एक समान है।

(8) प्रत्येक देश में साधनों की मात्रा, मांग की दशाएँ तथा उत्पादन की भौतिक दशाएं स्थिर है।

(9) दोनों देशों के बीच Free trade है।

Ohlin के उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर अर्न्तराष्ट्रीय तथा अर्न्तदेशीय व्यापार में समता पाया तथा अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार के लिए कोई पृथक सिद्धान्त की आवश्यकता नहीं बतलाया। Ohlin ने अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार को अर्न्तदेशीय व्यापार की एक विशेष अवस्था के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार General equalibrium theory of value पर आधारित है तथा उसी का विस्तार है।

Ohlin का मत है कि श्रम विभाजन के आधार पर व्यक्ति की विशिष्टता

में और दो क्षेत्रों के बीच विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन की विशिष्टता में समानता है। अतः अन्तर्देशीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का कारण मुख्य रूप से मूल्यों में विभिन्नता होता है। मूल्यों में विभिन्नता तुलनात्मक रूप में अन्तर जब विभिन्न क्षेत्रों या देशों में रहता है तो अन्तर्राष्ट्रीय तथा अन्तर्देशीय व्यापार का जन्म होता है। लेकिन मूल्यों में अन्तर और सम्बन्ध स्थापित करने के लिए एक विनिमय दर निश्चित किया जाता है जिसे निम्न सारणी के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है -

बंगलादेश साधन	साधन बंगला देश टका में	कीमतें भारतीय रुपये में	भारत में साधन कीमतें जब कि बंगलादेश टका का विनिमय दर = 2 रुपया	भारत में साधन कीमतें जबकि 1 बंगला देशी टका = 3 रुपया
A	1 टका	0.30	0.60 } भारत में सस्ता निर्यात	0.90 } सस्ता निर्यात
B	2 टका	0.40	0.80	1.20 } महंगा आयात
C	3 टका	0.50	1.00 } भारत में महंगा आयात	1.50
D	4 टका	0.60	1.20	1.80

माना कि भारत और बंगलादेश आपस में व्यापार कर रहे हैं। बंगला देश में विभिन्न साधनों की कीमतें समान हैं। जबकि भारत में विभिन्न साधनों की कीमतें अलग अलग है। भारत में साधन A सबसे सस्ता है जबकि D सबसे महंगा है। लेकिन व्यापार के लिए साधनों का सापेक्ष सस्तापन

उतना महत्वपूर्ण नही होता जितना कि समान मौद्रिक ईकाई के रूप में उनका निरपेक्ष सस्तापन होता है जो कि इन दोनो के बीच विनिमय दर पर निर्भर करता है। उपरोक्त सारणी में साधन A तथा B बंगला देश की अपेक्षा भारत में सस्ते है। लेकिन साधन C D बंगला देश की अपेक्षा भारत में महंगे पड़ते है। जब बंगला देश का एक टका 2 रुपया के बराबर है। लेकिन जब बंगलादेशी टका 3 रुपया के बराबर हो जाता है तो भारत में केवल A साधन ही सस्ता होगा और B, C, D साधन भारत में महंगे पड़ते है अतः सस्ती वस्तुएँ का आयात भारत बंगला देश से करेगा तथा महंगी वस्तुओं का निर्यात बंगलादेश करेगा। लेकिन विनिमय दर अन्तर्देशीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अन्तिम निर्धारक नही होता है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का मूल कारण दोनो प्रदेशो के बीच उत्पादन साधनो की पूर्तियों में पाये जाने वाले अन्तर ही होते है। मूल रूप से साधनो की सापेक्ष दुर्लभता, मांग की सापेक्षता में पूर्ति की कमी दो देशो के बीच व्यापार के लिए अनिवार्य है।

Factor endorment difference नही रहने पर दो देशो के बीच I.T. नही होता है क्योंकि दो देशो के बीच मुल्य का अन्तर नही हो पाता है जिसके फलस्वरूप दो देशो का offer curve एक दूसरे को नही काट पाती है इसलिए I.T के लिए मुल्यो में अन्तर रहना

आवश्यक है। जिससे दो देशों का offer curve एक दूसरे को काटते है। इसे चित्र द्वारा स्पष्ट कर सकते है।

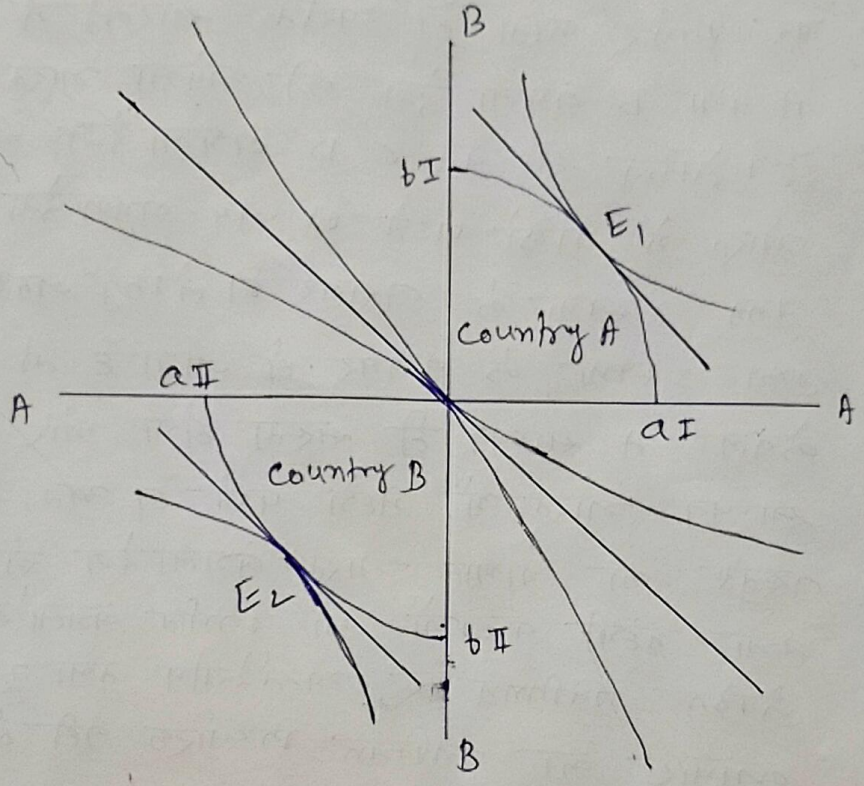

उपर के चित्र से स्पष्ट है कि A तथा B दो वस्तुएँ है और Country I तथा Country II दो देश है। इन दोनो देशो के बीच मे मांग एंव पूर्ति एक समान है। इसलिए दोनो देशो का offer curve कही भी एक दूसरे को नही काटता है। और इसलिए स्वतंत्र व्यापार रहने पर भी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार दोनो देशो के बीच नही होगा।

Ohlin के सिद्धान्त को निम्न चित्र से प्रदर्शित किया जा सकता है।